



ॐ नमः श्री गणेशाय ॥ अथ नारायण विधि ॥ वसंत खन हाय
यता सन थाय ॥ अथ यत् ॥ ॐ ॥ वसति नाय ॥ ॐ ॥ लंखन हाय ॥ सिंधू
जन हिया दे डाने नाय ॥ ॐ ॥ नक्षत्रा धन नाय ॥ लंखन हाय रुठ धर्क
यं ३ नं ३ वं ३ मू जन ३ वं धर्क ॥ धन मुद्रा केन ॥ मू न मंगुन ॥ नक्षत्रा हा
य ३ ॥ दिन पुय ॥ वना इ न ना स थि व हा न ॥ अथ काय ॥ वस न य

न थि स न य ॥ मू न मंगु धा न ॥ य न य ॥ ॐ ह्मि नारु व म हा दे वी ॥ दे व
ना म नू जा धिय ॥ जा व द स मि य र्थ नं ॥ ता व ल्वं ह्मि न मा य न ॥ ॥ का
थ य ॥ गुरु सी अ मू क ना म न स ॥ सर्व ग कुरु य ध ना दि रु य या यि
का म ना र्थं ग न दी य या ना य ॥ सा य न य न सा य ह्मि नारु व ३ ॥ ना
य हा न ॥ इ य नी म ग ला काली ॥ रु ड काली क या ति नि ॥ दृ ङ्गी उ मा जि

वाधातीः स्वधामाहानमामुते ॥ अथयूजाविधी ॥ मालकनापलाच
के ॥ चतस्रानखल ॥ नासिय ३ ॥ अद्यासयतस्रानलषगयाडाअनाडा
तय ॥ वाक् ॥ अथकाय ॥ काञ्चय ॥ अमुकनामस्य सर्वधनुजय
मतादि ३ ययाकिमनार्थं ॥ अदीयवालाय वस्त्रायनस्वपूदेवता
दिउगुव ॥ अयूजनकईशीसूर्यार्चनमः ॥ धननिव ॥ कर्मयादा

थंयूजायाय ॥ वलिमूत्रजकमत्यडा ॥ धनविस्त्रययूजनं ॥ आसनत
य ॥ अथद्रासनायनमः ॥ अथिहासनायनमः ॥ अथमहिषासनायन
मः ॥ अथगुहासनायनमः ॥ अथनिगुहासनायनमः ॥ ततयूजनं ॥ अथ
कीनाजपुदकुं प्रियमर्दनीद्वंद्वं सनाज २ रत्नां मां ईं समुत्सुह ॥ अथनम
॥ साहा ॥ ३ ॥ ॐ देवसिं गृह २ साहा ॥ यानिमुद्राकन ॥ गनयूजा ॥ ॐ

जुं जूं नुदुचु विदिस कलयनिवा प्रत्यनमः॥३॥ वलिगृद्धरसाहा
थनथसातामातक यूजायाय॥थनवलिमूल॥थनानित्यकर्मया
काथं वलि विया॥ वीचाम्भुये वलिगृद्धरसाहा॥ नं गी ड गु च भु
द ये वलिगृद्धरसाहा॥ नं दी धी सर्व त्या आव प्र न दे व ता त्या व
लिगृद्धरसाहा॥ नं व लि मूल॥थनचतुनादि त य॥ धूय॥ धी थ

थाय॥ गी ड गु च भु द ये वि प्र न स द जी द ये धूय नमः॥ दी य॥ गी ड
गु च भु वि प्र न स द जी द ये दी य नमः॥ समय काय॥ न्या न काय॥
आ कु स काय॥ ग्य सा वा सा म वि द कं थ न काय॥थन त र्थ न या य
नं नुं साहा ड गु च भु वि प्र न स द जी द ये न र्थ या मि नमः॥३॥ लं ख
दु र्नु त यः पु न प्रा च म नी र्थ नमः॥ ता य हा न॥ नं सु प्र ति ष्ठा व

नदा हवन् ॥ ॥ जययाय ॥ थडा नित्यया ॥ १०८ ॥ डगुच भुया ज
या ॥ १०९ ॥ दं जयंगुहा वसाहा ॥ जाकित न जय्या सधनाडा ॥
थन साठ नित्यया ॥ ॥ मात्रक ॥ डगुच भुसाठ ॥ जयनिर्मगला काली
रुड कालीकयातिनी ॥ दुर्गेज मागिवा धाठी ॥ साहास वानमासुत
जयया ॥ धति ॥ भप्रदीयया यायन सायन पूजा संयुक्तं तत्सर्वदि

धियप्रियुक्तं ममु ॥ नमसात्रयाय ॥ दडि वद्याय ॥ तयनयाय ॥ ज
हिषक काय ॥ यथंति य ॥ कत ॥ सा नका काय ॥ नासिय ३ ॥
धप्रमकुल ॥ थयाडा सूर्यसा डिथाय ॥ वत सा नजा कलंख जाना
डा ॥ का ॥ य ॥ गत ॥ जसूक दास ॥ सर्वसफुद्रय वना दिडय ॥
मि काम ॥ भन दीरा ॥ गीत्य वृद्धवता दिउय च धायुजा सं

सूर्यार्चनकर्मसाम्प्रदायिके (ह) यी सूर्यायार्चनमथायुर्व्यं रा
श्वतनडागणसूत्रविधिः ॥ ॥ अथययनविधिः ॥ मात्रकया
गासनयायः मात्रकयायः चित्तस्नानऊऊ काखल ॥ नासिय ३ ॥
यतः स्नानः जाकिः लेखः अर्धासतयाडाः नादातनया नाडातय ॥ अ
इकाय ॥ काभयपण्डितः अमकदासः सर्वे भक्तुइय धनादिउय

अथमात्रकयायः अर्चनं मादस्तीतिहायः

याधिकामभजदीयशीस्रष्टुदवगादिउयच अयूजानिमित्तय
कर्तुंशीसूर्यार्चनमः ॥ अर्चनमः ॥ यडा नित्यकर्मयानात्थ
यायः वलिमत्रथसदिय ॥ ॥ यनविस्वस्यामः ॥ नैः अमृत्य
ठत्रअमायरुठ ॥ नैः अदी नाऊयद्रअगुषात्यां नमः ॥ नैः
दुं तडी नीत्यां नमः ॥ नैः अत्रियमदनीमधमात्यां नमः ॥

हा॥ धनकं लयूजा॥ आसन॥ नंका नासनायनम॥ खयांज
 लि॥ नंमं धी कूलकं लययाद कायूङ्गया मि॥ वलिङ्गुद्र २ स्वा
 हा॥ यानिमूडा॥ विन्दुविय॥ ॐ॥ धरियंयूजा॥ क्कद थदा गुलिस
 यूजा॥ हं सूर्यलाथानम॥ नायूयदा गुलिसयूजा॥ संभामक
 लाथानम॥ यालूथदा गुलिसयूजा॥ नंजुग्निकलाथानम॥
 रं वायूजनं॥ ॐ नंकीं धीं हं मद्रं हं सीं मं हं मल वनयीं श्री याद कायूङ्गया मि

धनसगुनयूजा॥ कौं ज्वस्सामादिथानम॥ वलिङ्गुद्र २ स्वाहा॥
 धनवलिमूल॥ नं दं माहाकायायवलिङ्गुद्र २ स्वाहा॥ कौं उ गु या
 यायवलिङ्गुद्र स्वाहा॥ वां वा म्भुयेवलिङ्गुद्र २ स्वाहा॥ धनथ
 डा नित्ययाथं वलिविय॥ नं धी उ गु व भु द ये वलिङ्गुद्र २ स्वाहा
 ॥ नं धी धी सर्वे त्या आवन नद वता त्या वलिङ्गुद्र २ स्वाहा॥ विं सी त

यः दद्यात् कवति संतय ॥ थन धूप ॥ शीतगुच भु प्रियुत्र संद
नीदये धूपनमः ॥ थन दीय ॥ शीतगुच भु प्रियुत्र संद नीदये
दीपनमः ॥ थन समय दायः नानकायः अग्नि स दायः आरु स
कायः दक य नार्थकाय ॥ तर्क नयाय ॥ नै दुं डगुच भु दि प्रियुत्र सं
द नीदये तर्क यामीनमः ॥ ३ ॥ आचर्म ॥ आचर्म नीयनमः तं खरु र

तय अद्या सवान गु ॥ ताय हात्र ॥ स्रुपि सावन दारु वन्तु ॥ ऊ य
याय ॥ निर्याया (थं थडा गु निः १०८ ॥ डगुच भु या ॥ दुं १० ॥ ॐ दं ऊ य
गृहा लसाहा ॥ थन भाग याय ॥ निर्याया (थं विमख डगुच भु या ॥ ऊ य
निर्मग ता काली ॥ रुद्र काली कया लिनी ॥ दुर्ज्जि मा निवा धाणी ॥
साहा सुवन मामु त ॥ अयना धति ॥ काण्वय (गगु अमक दा स ४ स

वैष्णवः कृत्यः धनादि कृत्यया फि कामनार्थं सा त्र दीय म हा ख मी या वै
ध पूजा सं धुर्थं ज्ञुग न्ध पृष्य धूय दीया च न वि धो त सर्व न म म
जा कित ८८ न म स्मा याय ॥ द डि ना क्का य ॥ त र्थ न या य । थ न ज् वि स ख
का य ॥ य त स्ना न का य ॥ द व या क स्ना न का का य म ते डा व स वा द गु
रु क का य ॥ या स लि का य ॥ ना ति य ३ ॥ सूर्य सा डि थ य ॥ सा त दी

य म हा ख मी या वै न्य गी ड गु च नु दि स ख दे व ता पू जा सं धु र्थ वृ न
क र्म सा डि ८८ गी सूर्यार्घ्य न म ॥ य य न म ॥ पि हा डी या डी स क्क य क
यः ल ख न य ॥ ८८ ति ज् ख मी य डी ॥ ॥ थ न स ति ष् डू म हा न व
मि य डी ॥ व डि हा या डी व लि स त ने ॥ द डी या के स्ना न या व क व न्दु सि
ध ल न ति च के ८८ कान का खायः स्ना न दू व क ना ति य ३ ॥ ज् य क

य॥ वाक्॥ का श्वयम्भुजमुक्तासः सा तदीयमस्तनवमीवाव्य-
धी उगुचभुदिस्वदतायुजानिमित्थर्थक ईषी सूर्या र्धनम॥ य-
र्धनम॥ अखनुमनुना कालति॥ उत्रयागुयुजा॥ धंखयुजा॥ अघया-
गुयुजा॥ भाह निरुय॥ थडा निरुय कर्मयादा कथं थं युजायायः वलि-
मूलक कमतडा॥ थन उगुचभुयुजाः अरु मिषु द्वायादा थं थ सा

नाः कलसः वृत्तः थयिः सगूनः युजा द्वायाया थं॥ वलिमूल॥ वन्द-
नादितयः तायरात्रः सद्रुयकायः चानकायः अरु सकायः उय-
यायः सुगुयायः जाकिगनः नस्तत्रयायः दजिनाकायः थन वायि-
युजाः लखनसिलः वितः स्नानतयः युजाः दीलाह दनुनम॥ ३४॥ स्ना-
गु॥ खभायखलनाभयः गकि कार्याय तत्यत्रः य ध्रुव दत्वयागीयुः

स्वप्ननाथं नमामुते ॥ ॥ **स्तुति वा पियूजा** ॥ यद्युजाः स्वप्नमंदयति
 याताः अष्टाय रुद्रः धर्कः जाति लख का याता यद्युजा क पियाता
 गयः ३ ॥ **सो** अष्टाय रुद्रः धर्कः लख नहायः दूँ अवदूथनयायः वं ध
 नमडा केनः मूलमंतुन सीत यिस्य गय धाल ॥ लख नहायः यथ
 नतिकः साने चकः पूजाः व्रं छागवलये नमः ४ ॥ ३ ॥ धयदी यः सव

अतः तेन ॥ दडा तेन ॥ पुन तेन वा य ॥ अ विना ॥ अ रुद्रं दह ॥ अ
 न राम न मे वच ॥ न ग ॥ अ कर य नातिः ॥ न ग ॥ अ सु स य स य दं विंद





यनकः जाकिः खानः लखैयाडाः पग्याक हयकं तय ॥ वाक्क ॥
काठाय लमगसय थमदाससालदीयमहानवमीयावस्थीउग्रचक्र
दिश्वरुदवताहर्जनकायासर्वगुणप्रयस्वसिद्धिदयकामनार्थ
महानवमीयावस्थीमंकागवक्रिदेवतंतुल्यमहं द्यात ॥
गोनत ॥ मूहायक ॥ स्याय ॥ मूछुकाय ॥ मततय चनस ॥ समचक्र

य ॥ प्रिथक्काय ॥ जग्निक्कायक ॥ सिनसा ॥ वृकंकाय ॥ तर्ष्यनं ॥ ज्विस
खकाय चतंतिस ॥ स्यातंकायाडाचक्र ॥ समययसादकाया ॥ न्यासनि
काय ॥ नासिय ॥ सूर्यसाक्रिथय ॥ वाक्कः द्रयाया ॥ दव वलि
विसर्जनमतेडा ॥ ॐ नमो महानवमियज्ञ ॥ ॥ मालसाकामात्रि
यज्ञ ॥ ॥ तत्तासहादहमीयज्ञ ॥ वज्रिहयाडावलिसतय ॥

नासियः॥ देवस्नायाचकः चंद्रनः सिद्धनः उज्जमकाः स्नानतयः
जाकिर्लखजानावतयः॥ वाक्काः काश्वयः गगनास्मययासुसालदीय
महादक्षमीयावर्षः सर्वगुरुकृत्यधनादिजयकामनार्थं धीउ
गुवभुस्वः देवतायज्ञानिमित्त्यर्थं कर्तुं धीसूर्यार्घनमः॥
युधनमः॥ अखगुमगुलाकालति॥ उलयागुयुर्न॥ अघयागु

यूजा॥ मोहनीशायः॥ धवनित्रयाकर्थं॥ धयूजायायः॥ उगुच
भुयूजा॥ धसागाः कूठः कलशः धरिः सग्नः मालकयूजाया
यः॥ वलिमूयः॥ चंद्रनादितयः॥ धयः॥ दीयः॥ समक्यायः॥ न्यान
क्यायः॥ अग्निनसक्यायः॥ आकू सक्यायः॥ तायलालः॥ उययायः॥
भुगुयायः॥ अगुगन्धदि॥ वाक्कद्रयायाः॥ नमस्कालयायः॥

दक्षिणायाय॥ वाक्कर्मवि॥ माकसीति॥ खवजा॥ द्वा॥ ज्ञा॥ वासि॥
 धात्र॥ धलि॥ इ॥ इ॥ द्वाय॥ वर्क॥ द्वाय॥ तथैतयाय॥ कप्रसविस
 र्ज्ञेनयाय॥ देवयाक॥ ज्जिपक॥ द्वाय॥ माहनी॥ स्व॥ ग॥ ध॥ त्रि॥ वि
 र्ज्ञेनयाय॥ देवयात॥ माहनी॥ स्व॥ ग॥ ध॥ त्रि॥ द्वाय॥ नवयाय
 याव॥ द्वाय॥ थन॥ क॥ र॥ द्वाय॥ यथ॥ खान॥ माहनी॥ स्व॥ ग॥ धो॥ न

तिय नव वाखानं कुर्य ॥ सङ्कय काय ॥ तर्क नयाय ॥ नार
त्रि सिय ॥ देव वि सङ्क नयाय ॥ वाक् ॥ गङ्ग गङ्ग महा देवा
सङ्कानं गङ्ग यङ्गिता ॥ संवत्स नयाय ॥ पुनः सविङ्गयाय
य ॥ देवति सनक ॥ ताय हाय ॥ नमः स्कालयाय ॥ कुमाहा
न्या सनिकाय ॥ वति ॥ थय ॥ सूर्य साङ्गि थय ॥ वाक् ॥ कांश्च

लायशानिचः नकवर्धनिसंलिख ॥ यूजयकृत्युसंस्माः उड
वधुदित ४ कुमा ॥ ततादलानिवाक्षोयः ॥ नवर्धुयसंलि
ख ॥ उयादिदवतिंयुः वड्कायकोनर्क ॥ गीभनविधि
नार्थर्ः नेमर्थायागिनिन ॥ वामर्धुवायुकोनर्ः यूजय
त्रयथकुमं ॥ ततावहिष्यर्नमः मनुलयपिलिखतः ततुस्मा

नवसंयुः बुद्धायागनदवता ॥ चतुर्द्वनमायुर्कगह्मासं
ययययय ॥ चतु ४ षष्ठीसमायुर्क ३ गायकृत्युसंयुर्त ॥ तताव
हिर्बृतादालाः मनुलयपि ॥ नितुं ॥ ततावलियुदानं च ॥ गवप
युष्यादिधूपके ॥ दीयंयविविधनेष्यः रुततामूलकादि ॥
दातिंभकुनमकुनयकुलाविविधनत ॥ ॥ मुगुनदुर्गया

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ चतुर्भुजं चतुर्भुजं चतुर्भुजं चतुर्भुजं
लियितं । वामदक्षिणसमायुक्तं लिखितं वसुदेवाय । उद्धावति
खितं चतुर्भुजं चतुर्भुजं चतुर्भुजं ॥ मन्त्रमिन्द्रं चतुर्भुजं चतुर्भुजं
चतुर्भुजं । महाशंखसूत्राग्नौर्ध्वयातुं कृत्यये ॥ वग्नौ भव
भदमलिनाकर्ष्य चतुर्भुजं ॥ ४ ॥ अथात्राभुनसंयुक्तं मूलं

नेवषण्डकं । आवाहनादिकं कृत्वा यानि मूढाश्च दर्शयि ॥
१ ॥ नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ ततो महाशुद्धीय विधिः ॥ द्वापय
श्वासनं वायुमालकं ॥ तायरात्रं ॥ मानकवायं ॥ सगर्भं सङ्गुकि
यवश्च विथतया ॥ गुग्गुलीकथदावयनं सगर्भं यनं ॥ सिन्दूर
पतयः ॥ अङ्गुली ॥ दाहो स्नानतयः ॥ कायपनयः ॥ अतस्तयः ॥ वृद्धमधि

तयः कः नु यताः पंचयतायः अद्वातः दिक्किः ऊऊकातयः विथं
तीवकः सिधुननतीवकः स्नानं कु कः त्वाकः स्नानः मालः स्नानतयः
धनयः नाः वनासयितहालः ॥ कसनदवथिस्यतयः ॥ वाक् ॥ अय
कायः ॥ ॥ सि गारुवमाहादवीः दवानां मन्त्राधियः यावद्दशमिय
र्यनः गावर्त्तः सिनमावतः ॥ यावच्चद्राकः मापूतामहीवागिऊताय

हं गावर्त्तः श्विर्नकार्तचनस्त्रायस्त्रितातवः ॥ काष्णयः गगनास्मस
वृषाः प्रकृयधनादिऊययायि कामनार्थं सात्रदीयमहाप्रुमीयावैश्व
शाउग्रचभुदिस्रष्टदवताचनस्त्रायस्त्रितावतः ॥ गायहालः ॥ नमस्त्रा
लया ॥ धननित्यकर्मयादाः (र्थ) पूजायायः विस्रखयज्ञः शाउग्रचभुदि
थसात्राः कृतः कतसः थारिः सग्नयज्ञः ॥ वलिमूलः ॥ चन्दनादिन

य॥ ध्रुव॥ दीप॥ समयकाय॥ न्यानकाय॥ अग्निप्रसकाय॥ आरुत
काय॥ तर्कनयाय॥ इययाय॥ भातयाय॥ नमस्कात्रयाय॥ दडिनाका
य॥ सिसाः वासाः क्षोः डडुः मधिः केदाः धालः रुः भाकसीपिकाय॥
थन अविमुखकायः विधितियः सानकाकायमतेडाः देवया
का स आंग्रककायः सानकय॥ यासपिकाय॥ नासिय३॥ धात्र

मधुलदयक॥ वलिथयमतेव॥ सूर्यसाखिथय॥ वाक्कद्रया
या॥ थनसमयकाय॥ तर्कनयाय॥ लखनय॥ न्तिमहाअरु
मीरुडाविधि॥ ~~॥~~ संवतरे०१ आषाढकृष्णचतुर्दशि
थषुद्रयाय धनकाशुनाः यागया लखदेवयातः डिडिनायायनकु
म्भायायनयाशुना॥ इदिशुद्धजुष्टदवाङ्गमधुउग्रचतुर्काशुत

11025 11026 11027
11028 11029 11030 11031 11032

11033 11034 11035 11036 11037 11038 11039 11040
11041 11042 11043 11044 11045 11046 11047 11048
11049 11050 11051 11052 11053 11054 11055 11056
11057 11058 11059 11060 11061 11062 11063 11064
11065 11066 11067 11068 11069 11070 11071 11072

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

शुक्ल



This image shows a collection of handwritten symbols and text in Odia script, likely from a manuscript. The symbols include various geometric shapes (squares, circles, triangles) and stylized characters, some of which are enclosed within these shapes. The text is written in Odia script, with some words appearing to be "ସାତ୍ତ୍ୱିକ" (Sattvik) and "ରାଜସ୍ୱ" (Rajas). The overall appearance is that of a traditional Odia manuscript page.

